Title: Requested to remove the discriminatory attitude towards recognition of the Gaddis and the Gujjars in different parts of Himachal Pradesh and also to recognise the Loohar and Tarkhan community as scheduled castes.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री का ध्यान हिमाचल प्रदेश की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। हिमाचल प्रदेश के लुहारों को अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है, जबकि तरखान जाति, जो उसी परिवार का अंग है, उनको अनुसूचित जाति नहीं माना जाता है। इसी प्रकार पुराने हिमाचल के क्षेत्रों में गद्दी और गूजर समुदाय को अनुसूचित जनजाति माना जाता है, लेकिन राज्य पुनर्गठन के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश में जो नये क्षेत्र शामिल किये गये, उनमें बसने वाले गद्दी और गूजरों को अनुसूचित जनजाति नहीं माना जाता है, यह घोर विसंगति है। जब हम इस बारे में प्रश्न करते हैं तो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार कहते हैं कि हमने इस सम्बन्ध में एक समिति का गठन किया हुआ है, जबकि इसमें समिति के गठन का प्रश्न न होकर केवल विसंगति को दूर करने का मामला है।

प्रदेश के पुराने हिस्से में गद्दी और गुज्जरों को अनुसूचित जनजाति की सुविधाएं प्राप्त हैं और नए क्षेत्र में रह रहे गद्दी और गुज्जरों को इससे वंचित रखा गया है। हिमाचल प्रदेश, 1966 में राज्य पुनर्गठन, में शामिल हुए नए क्षेत्रों में गद्दी और गुज्जर लोगों को अनुसूचित जनजाति की सुविधा दी जाए और तरखान जाति को भी अनुसूचित जाति का दर्जा दिया जाए। इसी के साथ मैं यह भी अनुरोध करना चाहूंगा कि लवाना जाति को भी अनुसूचित जाति माना जाए और यह विसंगति जल्दी से जल्दी दूर की जाए।

श्री महेश्वर सिंह (मंडी) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने आप को एसोसिएट करते हुए एक मिनट में अपनी बात कहना चाहूंगा।

अध्यक्ष महोदय : क्या आपने नोटिस दिया है ?

श्री महेश्वर सिंह : दिया है। जैसा अभी सदन के माननीय सदस्य ने कहा, इन गद्दी और गुज्जरों की संस्कृति और भाषा वही है जो पुराने हिमाचल में इन लोगों की है। इसलिए इसमें कोई समिति या उसकी रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं, केवल मंत्री जी को प्रशासनिक आदेश देना है। अगर यहां से आदेश चला जाए तो यह विसंगति दूर हो सकती है।

MR. SPEAKER : You can also associate yourself with the hon. Member Shri Suresh Chandel. Shri K. Francis George to speak now.